उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना

चर्चा में क्यों?

15 सितंबर, 2021 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने **सहभागी ग्रामीण अर्थव्यवस्था** और **बुनियादी ढाँचे** को मज़बूत करने के उद्देश्य से, एक अनूठी '**उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना**' शुरू करने की घोषणा की, जो आम आदमी को राज्य के विकास कार्यों में प्रत्यक्ष भागीदार बनाएगी।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने यह घोषणा लखनऊ में **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना** एवं ज़िला पंचायतों के तहत विभिन्न सड़कों का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए की।
- मुख्यमंत्री ने **ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभागों** को इस अभिनव योजना के औपचारिक शुभारंभ के लिये एक कार्य योजना प्रस्तुत करने को कहा।
- इस योजना के तहत, प्रत्येक व्यक्ति को गाँवों में बुनियादी ढाँचे के विकास के विभिन्न कार्यों में सीधे भाग लेने का मौका मिलेगा।
- राज्य सरकार परियोजना की कुल लागत का 50 प्रतिशत वहन करेगी, जबकि शेष राशि इच्छुक लोगों द्वारा दी जाएगी। बदले में, परियोजना का नाम सहयोगियों के रिश्तेदारों के नाम पर उनकी इच्छा के अनुसार रखा जा सकता है।
- **उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना** गाँवों में स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी, पुस्तकालय, स्टेडियम, व्यायामशाला, ओपन जिम, पशु नस्ल सुधार केंद्र, अग्निशमन सेवा स्टेशन आदि की स्थापना के लिये एक अच्छा प्रयास हो सकता है।
- मुख्यमंत्री ने आजमगढ़ और जौनपुर ज़िला पंचायतों में **एफडीआर पद्धति** से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सड़कों के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि **उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) में एफडीआर (फुल डेप्थ रिक्लेमेशन) तकनीक का उपयोग करने वाला पहला राज्य** है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/up-mathrubhumi-yojana